रविवार 14 जून, 2020

विषय — भगवान मनुष्य के संरक्षक हैं

स्वर्ण पाठ: मत्ती 26 : 53

"क्या तू नहीं समझता, कि मैं अपने पिता से बिनती कर सकता हूं, और वह स्वर्गदूतों की बारह पलटन से अधिक मेरे पास अभी उपस्थित कर देगा?" – मसीह यीशु

उत्तरदायी अध्ययन: 2 राजा 6 : 15-17
भजन संहिता 68: 17
भजन संहिता 40: 4, 5

15 भोर को परमेश्वर के भक्त का टहलुआ उठा और निकल कर क्या देखता है कि घोड़ों और रथों समेत एक दल नगर को घेरे हुए पड़ा है। और उसके सेवक ने उस से कहा, हाय! मेरे स्वामी, हम क्या करें?
16 उसने कहा, मत डर; क्योंकि जो हमारी ओर हैं, वह उन से अधिक हैं, जो उनकी ओर हैं।
17 तब एलीशा ने यह प्रार्थना की, हे यहोवा, इसकी आंखें खोल दे कि यह देख सके। तब यहोवा ने सेवक की आंखें खोल दीं, और जब वह देख सका, तब क्या देखा, कि एलीशा के चारों ओर का पहाड़ अग्निमय घोड़ों और रथों से भरा हुआ है।
17 परमेश्वर के रथ बीस हजार, वरन हजारों हजार हैं; प्रभु उनके बीच में है, जैसे वह सीनै पवित्र स्थान में है।
4 क्या ही धन्य है वह पुरूष, जो यहोवा पर भरोसा करता है।
5 हे मेरे परमेश्वर यहोवा, तू ने बहुत से काम किए हैं! जो आश्चर्यकर्म और कल्पनाएं तू हमारे लिये करता है वह बहुत सी हैं; तेरे तुल्य कोई नहीं! मैं तो चाहता हूं की खोलकर उनकी चर्चा करूं, परन्तु उनकी गिनती नहीं हो सकती॥

पाठ उपदेश

बाइबल

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

1. भजन संहिता 121 : 1, 2, 3 (वह), 7

1 मैंअपनी आंखें पर्वतों की ओर लगाऊंगा। मुझे सहायता कहां से मिलेगी?
2 मुझे सहायता यहोवा की ओर से मिलती है, जो आकाश और पृथ्वी का कर्ता है॥
3 ….तेरा रक्षक कभी न ऊंघेगा।
7 यहोवा सारी विपत्ति से तेरी रक्षा करेगा; वह तेरे प्राण की रक्षा करेगा।

2. निर्गमन 23 : 20, 25

20 सुन, मैं एक दूत तेरे आगे आगे भेजता हूं जो मार्ग में तेरी रक्षा करेगा, और जिस स्थान को मैं ने तैयार किया है उस में तुझे पहुंचाएगा।
25 और तुम अपने परमेश्वर यहोवा की उपासना करना, तब वह तेरे अन्न जल पर आशीष देगा, और तेरे बीच में से रोग दूर करेगा।

3. मरकुस 5 : 25, 26 (पड़ा था)-34

25 और एक स्त्री, जिस को बारह वर्ष से लोहू बहने का रोग था।
26 …जिस ने बहुत वैद्यों से बड़ा दुख उठाया और अपना सब माल व्यय करने पर भी कुछ लाभ न उठाया था, परन्तु और भी रोगी हो गई थी।
27 यीशु की चर्चा सुनकर, भीड़ में उसके पीछे से आई, और उसके वस्त्र को छू लिया।
28 क्योंकि वह कहती थी, यदि मैं उसके वस्त्र ही को छू लूंगी, तो चंगी हो जाऊंगी।
29 और तुरन्त उसका लोहू बहना बन्द हो गया; और उस ने अपनी देह में जान लिया, कि मैं उस बीमारी से अच्छी हो गई।
30 यीशु ने तुरन्त अपने में जान लिया, कि मुझ में से सामर्थ निकली है, और भीड़ में पीछे फिरकर पूछा; मेरा वस्त्र किस ने छूआ?
31 उसके चेलों ने उस से कहा; तू देखता है, कि भीड़ तुझ पर गिरी पड़ती है, और तू कहता है; कि किस ने मुझे छुआ?
32 तब उस ने उसे देखने के लिये जिस ने यह काम किया था, चारों ओर दृष्टि की।
33 तब वह स्त्री यह जानकर, कि मेरी कैसी भलाई हुई है, डरती और कांपती हुई आई, और उसके पांवों पर गिरकर, उस से सब हाल सच सच कह दिया।
34 उस ने उस से कहा; पुत्री तेरे विश्वास ने तुझे चंगा किया है: कुशल से जा, और अपनी इस बीमारी से बची रह॥

4. यशायाह 63: 7, 9 (देवदूत), 16 (हे), 19 (*से*:)

7 जितना उपकार यहोवा ने हम लोगों का किया अर्थात इस्राएल के घराने पर दया और अत्यन्त करूणा कर
के उसने हम से जितनी भलाई, कि उस सब के अनुसार मैं यहोवा के करूणामय कामों का वर्णन और
उसका गुणानुवाद करूंगा।
9 … और उसके सम्मुख रहने वाले दूत ने उनका उद्धार किया; प्रेम और कोमलता से उसने आप ही उन को
छुड़ाया; उसने उन्हें उठाया और प्राचीनकाल से सदा उन्हें लिए फिरा।
16 … हे यहोवा, तू हमारा पिता और हमारा छुड़ाने वाला है; प्राचीनकाल से यही तेरा नाम है।
19 हम आपके हे।

5. नीतिवचन 3 : 1-3 (*से 1st* :), 5, 6

1 हेमेरे पुत्र, मेरी शिक्षा को न भूलना; अपने हृदय में मेरी आज्ञाओं को रखे रहना;
2 क्योंकि ऐसा करने से तेरी आयु बढ़ेगी, और तू अधिक कुशल से रहेगा।
3 कृपा और सच्चाई तुझ से अलग न होने पाएं।
5 तू अपनी समझ का सहारा न लेना, वरन सम्पूर्ण मन से यहोवा पर भरोसा रखना।
6 उसी को स्मरण करके सब काम करना, तब वह तेरे लिये सीधा मार्ग निकालेगा।

6. यिर्मयाह: 29 : 11-14 (*से 2nd* ,)

11 क्योंकि यहोवा की यह वाणी है, कि जो कल्पनाएं मैं तुम्हारे विषय करता हूँ उन्हें मैं जानता हूँ, वे हानी की
नहीं, वरन कुशल ही की हैं, और अन्त में तुम्हारी आशा पूरी करूंगा।
12 तब उस समय तुम मुझ को पुकारोगे और आकर मुझ से प्रार्थना करोगे और मैं तुम्हारी सुनूंगा।
13 तुम मुझे ढूंढ़ोगे और पाओगे भी; क्योंकि तुम अपने सम्पूर्ण मन से मेरे पास आओगे।
14 मैं तुम्हें मिलूंगा, यहोवा की यह वाणी है, और बंधुआई से लौटा ले आऊंगा।

7. प्रेरितों के काम 12 : 1, 3 (वह आगे बढ़ा) (*से 1st* .), 4-11

1 उस समय हेरोदेस राजा ने कलीसिया के कई एक व्यक्तियों को दुख देने के लिये उन पर हाथ डाले।
3 … तो उस ने पतरस को भी पकड़ लिया।
4 और उस ने उसे पकड़ के बन्दीगृह में डाला, और रखवाली के लिये, चार चार सिपाहियों के चार पहरों में
रखा: इस मनसा से कि फसह के बाद उसे लोगों के साम्हने लाए।

5 सो बन्दीगृह में पतरस की रखवाली हो रही थी; परन्तु कलीसिया उसके लिये लौ लगाकर परमेश्वर से प्रार्थना कर रही थी।
6 और जब हेरोदेस उसे उन के साम्हने लाने को था, तो उसी रात पतरस दो जंजीरों से बन्धा हुआ, दो सिपाहियों के बीच में सो रहा था: और पहरूए द्वार पर बन्दीगृह की रखवाली कर रहे थे।
7 तो देखो, प्रभु का एक स्वर्गदूत आ खड़ा हुआ: और उस कोठरी में ज्योति चमकी: और उस ने पतरस की पसली पर हाथ मार के उसे जगाया, और कहा; उठ, फुरती कर, और उसके हाथ से जंजीरें खुलकर गिर पड़ीं।
8 तब स्वर्गदूत ने उस से कहा; कमर बान्ध, और अपने जूते पहिन ले: उस ने वैसा ही किया, फिर उस ने उस से कहा; अपना वस्त्र पहिनकर मेरे पीछे हो ले।
9 वह निकलकर उसके पीछे हो लिया; परन्तु यह न जानता था, कि जो कुछ स्वर्गदूत कर रहा है, वह सचमुच है, वरन यह समझा, कि मैं दर्शन देख रहा हूं।
10 तब वे पहिल और दूसरे पहरे से निकलकर उस लोहे के फाटक पर पहुंचे, जो नगर की ओर है; वह उन के लिये आप से आप खुल गया: और वे निकलकर एक ही गली होकर गए, इतने में स्वर्गदूत उसे छोड़कर चला गया।
11 तब पतरस ने सचेत होकर कहा; अब मैं ने सच जान लिया कि प्रभु ने अपना स्वर्गदूत भेजकर मुझे हेरोदेस के हाथ से छुड़ा लिया, और यहूदियों की सारी आशा तोड़ दी।

8. भजन संहिता 91 : 9-16

9 हे यहोवा, तू मेरा शरण स्थान ठहरा है। तू ने जो परमप्रधान को अपना धाम मान लिया है,
10 इसलिये कोई विपत्ति तुझ पर न पड़ेगी, न कोई दु:ख तेरे डेरे के निकट आएगा॥
11 क्योंकि वह अपने दूतों को तेरे निमित्त आज्ञा देगा, कि जहां कहीं तू जाए वे तेरी रक्षा करें।
12 वे तुझ को हाथों हाथ उठा लेंगे, ऐसा न हो कि तेरे पांवों में पत्थर से ठेस लगे।
13 तू सिंह और नाग को कुचलेगा, तू जवान सिंह और अजगर को लताड़ेगा।
14 उसने जो मुझ से स्नेह किया है, इसलिये मैं उसको छुड़ाऊंगा; मैं उसको ऊंचे स्थान पर रखूंगा, क्योंकि उसने मेरे नाम को जान लिया है।
15 जब वह मुझ को पुकारे, तब मैं उसकी सुनूंगा; संकट में मैं उसके संग रहूंगा, मैं उसको बचा कर उसकी महिमा बढ़ाऊंगा।
16 मैं उसको दीर्घायु से तृप्त करूंगा, और अपने किए हुए उद्धार का दर्शन दिखाऊंगा॥

विज्ञान और स्वास्थ्य

1. 587 : 5-8

(5th January 2020 [1]). परमेश्वर। मैं जो महान हूं; सर्व-ज्ञान, सर्व-दर्शन, सर्व-कार्य, सर्व-ज्ञान, सर्व-प्रिय और शाश्वत; सिद्धांत; मन; अन्त: मन; आत्मा; जिंदगी; सत्य; प्रेम; सभी पदार्थ; बुद्धि।

2. 487 : 27-1

(16th June 2019 [2] both paragraphs). यह समझ कि जीवन ईश्वर है, आत्मा, जीवन की मृत्यु रहित वास्तविकता, उसकी सर्वशक्तिमानता और अमरता में हमारे विश्वास को मजबूत करके हमारे दिनों को लंबा कर देती है।

यह विश्वास एक समझे हुए सिद्धांत पर निर्भर करता है। यह सिद्धांत संपूर्ण रोगग्रस्त बनाता है, और चीजों के स्थायी और सामंजस्यपूर्ण चरणों को सामने लाता है।

3. 23 : 17-20

(Translate from Here). आस्था, आध्यात्मिक समझ के लिए उन्नत, आत्मा से प्राप्त साक्ष्य है, जो हर तरह के पाप का खंडन करता है और भगवान के दावों को स्थापित करता है।

4. 512 : 8-16

(Translate from Here). आत्मा शक्ति, उपस्थिति, और शक्ति का प्रतीक है, और पवित्र विचारों द्वारा भी, प्रेम से युक्त है। उनकी उपस्थिति के ये देवदूत, जिनके पास सबसे पवित्र प्रभार है, मन के आध्यात्मिक वातावरण में प्रचुर मात्रा में है, और परिणामस्वरूप अपनी स्वयं की विशेषताओं को पुन: पेश करते हैं। उनके व्यक्तिगत रूप जिन्हें हम नहीं जानते, लेकिन हम जानते हैं कि उनके स्वभाव भगवान के स्वभाव से संबद्ध हैं; और आध्यात्मिक आशीर्वाद, इस प्रकार, बाहरी रूप से, अभी तक व्यक्तिपरक हैं, विश्वास और आध्यात्मिक समझ के राज्य हैं।

5. 581 : 4-7

(Translate from Here). स्वर्गदूतों। ईश्वर के विचार मनुष्य को पास करते हैं; आध्यात्मिक अंतर्ज्ञान, शुद्ध और परिपूर्ण; अच्छाई, पवित्रता, और अमरता की प्रेरणा, सभी बुराई, कामुकता और नश्वरता का प्रतिकार करती है।

6. 299 : 7-17

(Translate from Here). मेरे स्वर्गदूत अतिविशिष्ट विचार हैं, जो कुछ सेपुलचर के दरवाजे पर दिखाई देते हैं, जिसमें मानव विश्वास ने अपने सबसे प्यारे सांसारिक आशाओं को दफन कर दिया है। सफेद उंगलियों के साथ वे एक नए और गौरवशाली विश्वास की ओर इशारा करते हैं, जीवन के उच्च आदर्शों और इसकी खुशियों के लिए। देवदूत भगवान के प्रतिनिधि हैं। ये उर्ध्वगामी प्राणी कभी भी स्व, पाप, या भौतिकता की ओर नहीं जाते हैं, बल्कि सभी अच्छे लोगों के दिव्य सिद्धांत के लिए मार्गदर्शन करते हैं, जो हर वास्तविक व्यक्तित्व, छवि या भगवान की समानता को इकट्ठा करता है। बयाना देकर इन आध्यात्मिक मार्गदर्शकों को ध्यान में रखते हुए वे हमारे साथ छेड़छाड़ करते हैं, और हम मनोरंजन करते हैं "स्वर्गदूतों।"

7. 174 : 9-14

(Translate from Here). सामग्री के दृष्टिकोण से ऊपर उठते हुए, विचारों के नक्शेकदम धीमे हैं, और यात्री को एक लंबी रात को चित्रित करते हैं; लेकिन उनकी उपस्थिति के स्वर्गदूतों - आध्यात्मिक अंतर्ज्ञान जो हमें बताते हैं कि "रात बहुत दूर है, दिन निकट है" - संकट में हमारे संरक्षक हैं।

8. 203 : 17-18

(28th April 2019 [7] first sentence only). हम एक से अधिक सर्वोच्च शासक या भगवान से कम किसी शक्ति में विश्वास करने के लिए प्रवण हैं।

9. 204 : 3-11, 18-19

(Translate from Here). सभी प्रकार के त्रुटि झूठे निष्कर्षों का समर्थन करते हैं कि एक से अधिक जीवन हैं; वह भौतिक इतिहास उतना ही वास्तविक है और आध्यात्मिक इतिहास जैसा है; वह नश्वर त्रुटि उतना ही मानसिक है जितना कि अमर सत्य; और यह कि दो अलग-अलग, विरोधी शक्तियां और प्राणी हैं, दो शक्तियां, - अर्थात्, आत्मा और पदार्थ, - जिसके परिणामस्वरूप एक तीसरा व्यक्ति (नश्वर मनुष्य) है जो पाप, बीमारी और मृत्यु के भ्रम को वहन करता है।

(Translate from Here). इस तरह के सिद्धांत स्पष्ट रूप से गलत हैं। वे कभी भी विज्ञान की परीक्षा में खड़े नहीं हो सकते।

10. 192 : 19-26

(17th February 2019 [5]). विज्ञान में, आपके पास भगवान के विपरीत कोई शक्ति नहीं हो सकती है, और शारीरिक इंद्रियों को अपनी झूठी गवाही देनी चाहिए। अच्छे के लिए आपका प्रभाव आपके द्वारा सही पैमाने पर फेंके गए वजन पर निर्भर करता है। आप जो अच्छा करते हैं और अवतार लेते हैं वह आपको एकमात्र शक्ति प्राप्त करने योग्य बनाता है। बुराई शक्ति नहीं है। यह ताकत का मजाक है, जो अपनी कमजोरी को मिटाता है और गिरता है, कभी नहीं उठता।

11. 183 : 21-25

(20th October 2019 [8] first paragraph only). डिवाइन माइंड सही ढंग से मनुष्य की संपूर्ण आज्ञाकारिता, स्नेह और शक्ति की माँग करता है। किसी भी कम निष्ठा के लिए कोई आरक्षण नहीं किया जाता है। सत्य का पालन मनुष्य को शक्ति और सामर्थ्य देता है। त्रुटि के अधीन होने से शक्ति का नुकसान होता है।

12. 495 : 14-20

(7th April 2019 [13]). जब बीमारी या पाप का भ्रम आपको घेरता है, तो आपको भगवान और उनके विचार पर दृढ़ता से टिकना चाहिए अपने विचार में पालन करने के लिए उसकी समानता के अलावा कुछ भी अनुमति न दें न तो डर और न ही संदेह को अपनी स्पष्ट भावना और शांत विश्वास का पालन करें, कि जीवन के सामंजस्यपूर्ण जीवन की मान्यता - जैसा कि जीवन है - किसी भी दर्दनाक भावना को नष्ट कर सकता है या उस पर विश्वास कर सकता है, जो जीवन नहीं है।

13. 130 : 26-2

(29th March 2020 [16] skipping last 2 sentences). यदि ईश्वर या सत्य के वर्चस्व के लिए विज्ञान के मजबूत दावे पर विचार किया गया है, और अच्छाई के वर्चस्व पर संदेह किया गया है, क्या हमें यह नहीं सोचना चाहिए कि, दुष्टतापूर्ण, बुराई के जोरदार दावों पर चकित होना और उन पर संदेह करना, और अब उसे त्यागने के लिए पाप और अप्राकृतिक प्रेम करना स्वाभाविक नहीं लगता, - अब बुराई की कभी भी कल्पना करना अच्छा नहीं है और वर्तमान अच्छा है? सत्य को त्रुटि के रूप में इतना आश्चर्यजनक और अप्राकृतिक नहीं होना चाहिए, और त्रुटि को सत्य के रूप में वास्तविक नहीं होना चाहिए।

14. 548 : 13-17

(Translate from Here). नश्वर त्रुटि की हर पीड़ा त्रुटि को नष्ट करने में मदद करती है, और इसलिए अमर सत्य की आशंका को दूर करता है। (26th April 2020 [15]). यह प्रति घंटा चलने वाला नया जन्म है, जिसके द्वारा पुरुष स्वर्गदूतों, ईश्वर के सच्चे विचारों, होने की आध्यात्मिक भावना का मनोरंजन कर सकते हैं।

15. 567 : 3-6, 7-8

(Translate from Here). ये स्वर्गदूत हमें गहराई तक पहुँचाते हैं। सत्य और प्रेम, शोक की घड़ी में आते हैं, जब मजबूत विश्वास या आध्यात्मिक शक्ति कुश्ती और भगवान की समझ के माध्यम से प्रबल होती है। ... असीम, सदा-सदा के लिए, सब प्रेम है, और न कोई त्रुटि है, न कोई पाप, न बीमारी, न मृत्यु।

16. 224: 29-31 (*से 2nd.*)

(1st December 2019 [9] 3rd paragraph last 2 sentences). भगवान की शक्ति कैद में उद्धार लाता है। कोई भी शक्ति दिव्य प्रेम का सामना नहीं कर सकती।

17. 372 : 14-17

(Translate from Here). जब मनुष्य क्रिश्चियन साइंस का प्रदर्शन करता है, तो वह एकदम सही होगा। वह न तो पाप कर सकता है, न पीड़ित, मामले के अधीन हो सकता है, और न ही परमेश्वर के कानून की अवज्ञा कर सकता है। इसलिए वह स्वर्ग में स्वर्गदूतों के रूप में होगा।

दैनिक कर्तव्यों

मैरी बेकर एड्डी द्वारा

दैनिक प्रार्थना

प्रत्येक दिन प्रार्थना करने के लिए इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का कर्तव्य होगा: "तुम्हारा राज्य आओ;" ईश्वरीय सत्य, जीवन और प्रेम के शासन को मुझमें स्थापित करो, और मुझ पर शासन करो; और तेरा वचन सभी मनुष्यों के स्नेह को समृद्ध कर सकता है, और उन पर शासन करो!

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 4

उद्देश्यों और कृत्यों के लिए एक नियम

न तो दुश्मनी और न ही व्यक्तिगत लगाव मदर चर्च के सदस्यों के उद्देश्यों या कृत्यों को लागू करना चाहिए। विज्ञान में, दिव्य प्रेम ही मनुष्य को नियंत्रित करता है; और एक क्रिश्चियन साइंटिस्ट प्यार की मीठी सुविधाओं को दर्शाता है, पाप में डांटने पर, सच्चा भाईचारा, परोपकार और क्षमा में। इस चर्च के सदस्यों को प्रतिदिन ध्यान रखना चाहिए और प्रार्थना को सभी बुराईयों से दूर करने, भविष्यद्वाणी, न्याय करने, निंदा करने, परामर्श देने, प्रभावित करने या गलत तरीके से प्रभावित होने से बचाने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 1

कर्तव्य के प्रति सतर्कता

इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का यह कर्तव्य होगा कि वह प्रतिदिन आक्रामक मानसिक सुझाव से बचाव करे, और भूलकर भी ईश्वर के प्रति अपने कर्तव्य की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए, अपने नेता और मानव जाति के लिए। उनके कामों से उन्हें आंका जाएगा, — और वह उचित या निंदनीय होगा।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 6